Regarding border issues with China

डॉ**.** निशिकान्त दुबे **(**गोड्डा**) :** सभापति महोदया, धन्यवाद ।

?अपने दिल से जानिए, पराये दिल का हाल ।?

इस देश का सौभाग्य है कि इस देश के प्रधान मंत्री माननीय मोदी जी हैं, जिनके सामने पूरी दुनिया झुकती है । ? लीडर ऑफ ऑपोजीशन? को देख कर मुझे शर्म भी आयी । अमेरिका का राष्ट्रपति माननीय मोदी जी को अपना दोस्त कहता है, ऑस्ट्रेलिया के प्रधान मंत्री उनको ?बॉस? कहते हैं, पापुआ न्यू गिनी के प्रधान मंत्री उनके पैर छूते हैं, यह स्थिति है और आपके प्रधान मंत्री, जिन्होंने तिब्बत दे दिया, जिसने चाइना को भूमि दे दी और आज जो बालू का दर्द था कि करूणानिधि जी को करप्शन के आधार पर जेल में बंद करके इन्दिरा गांधी जी ने कच्चातिवु श्री लंका को दे दिया ।? (व्यवधान) आज का समय आपके जैसे कमजोर प्रधान मंत्री का नहीं है, नेहरू का यह देश नहीं है ।? (व्यवधान) चाइना को हमने एक इंच भी भूमि नहीं दी है ।? (व्यवधान) चाइना की कम्युनिस्ट पार्टी के साथ हमने कोई एम.ओ.यू. साइन नहीं किया है ।? (व्यवधान) आपने सारे देश को कमजोर करके रख दिया । आपके प्रधान मंत्रियों ने बार-बार ऐसे समझौते किए, जिसमें चाइना आज हमारे बगल में है और हमारा दुश्मन है । तिब्बत के साथ आपने गलत समझौता किया । हमारे बगल में अनुराग जी बैठे हैं । दलाई लामा को हम इतने दिनों से अपने पास रखे हुए हैं, इसलिए हमें गर्व है कि आज इस देश के प्रधान मंत्री मोदी जी हैं और पूरी दुनिया उनके सामने झुकती है ।? (व्यवधान)